11

कलीसियाः

ज़्या कलीसिया साज़्प्रदायिक है?

शज़्द की परिभाषा तथा अध्ययन

1. **''सज़्प्रदाय'' या डिनोमिनेशन का ज़्या अर्थ है?**
   क. बांटने, या नाम देने के कार्य।
   ख. एक ही नाम से पुकारा जाने वाला लोगों का एक वर्ग, या समाज; गुट; जैसे मसीही लोगों का एक सज़्प्रदाय या डिनोमिनेशन।
   ग. जिससे किसी को अलग या वर्गीकृत किया जाता हो; नामकरण; कोई नाम, पदनाम, या शीर्षक; विशेष रूप से, एक समान लोगों की श्रेणी के लिए कोई सामान्य नाम (*वैबस्टर की डिज़्शनरी*)।
2. **अलग-अलग साज़्प्रदायिक कलीसियाओं अर्थात डिनोमिनेशनों को बांटकर कब नाम दिया गया था?**
   वे कब संगठित हुई थीं? वे सब नये नियम के दिनों से ही संगठित हुई थीं।
3. **दिखाएं कि साज़्प्रदायिकवाद के कारण किस प्रकार धार्मिक जगत में फूट पड़ती है (1 कुरिन्थियों 1:12, 13)।**

साज़्प्रदायिकता का आरज़्भ

1. **इसके आरज़्भ का कोई एक स्त्रोत बताएं।**
   प्रबन्ध के किसी विशेष रूप पर अत्यधिक बल देना। उदाहरण: प्रेसबिटेरियन चर्च को इसका नाम यूनानी शज़्द *presbuteros* (प्रेसज़्यूटरोस) से मिला है, जिसका अर्थ प्रेसबिटरों या ऐल्डरों द्वारा प्रबन्ध करना है।
2. **साज़्प्रदायिक कलीसिया का दूसरा स्त्रोत बताएं।**
   किसी विशेष शिक्षा पर अत्यधिक बल देना। उदाहरण: के लिए बेपटिस्ट चर्च, बपतिस्मे से निकले; होलीनेस चर्च, होलीनेस अर्थात पवित्रता पर ज़ोर देने से निकला;

सैवंथ डे एडवेंटिस्ट चर्च , सब्त के दिन और मसीह के द्वितीय आगमन को प्रमुखता देने से निकला; पैंटिकॉस्टल चर्च, पिन्तेकुस्त की घटनाओं पर विशेष ज़ोर देने से निकला।

3. **साज़्प्रदायिक बनने का और स्त्रोत बताएं।**
   प्रसिद्ध लोगों को अत्यधिक सम्मान देना। उदाहरण: लूथरन चर्च, मार्टिन लूथर से निकला; वेसलियन, वेसले से निकला; केल्विनवाद, जॉन केल्विन से निकला।
4. **साज़्प्रदायिकवाद के कोई और स्त्रोत बताएं।**
   स्थान या इलाके के कारण। उदाहरण: नॉर्दर्न एण्ड सदर्न बेपटिस्ट; नॉर्दर्न एण्ड सदर्न मैथोटिस्ट; कब्बरलैंड प्रेसबिटेरियन; चर्च ऑफ़ इंग्लैंड; चर्च ऑफ़ नॉर्थ इंडिया व चर्च ऑफ़ साऊथ इंडिया आदि।

विचार करने के लिए

1. **ज़्या प्रभु की कलीसिया इनमें से किसी एक के कारण बनी है? फिर ज़्या नये नियम की कलीसिया साज़्प्रदायिक हो सकती है?**
2. **कलीसिया किसने बनाई (मत्ती 16:18)?**
3. **कलीसिया का सिर कौन है (इफिसियों 1:21, 22; कुलुस्सियों 1:18)?**
4. **पौलुस ने मनुष्यों के पीछे चलने वालों को कैसे डांटा (1 कुरिन्थियों 1:10-13)?**
5. **कलीसिया को किन शब्दों के द्वारा जाना जाता था (मत्ती 16:18; 1 कुरिन्थियों 1:2; 1 तीमुथियुस 3:15; कुलुस्सियों 1:18; प्रेरितों 20:28; इब्रानियों 12:23; रोमियों 16:16)?**
6. **पौलुस ने कुछ लोगों को ''शारीरिक'' ज़्यों कहा (1 कुरिन्थियों 3:3, 4)? इन सब बातों के प्रति मसीही व्यवहार कैसा होना चाहिए (कुलुस्सियों 2:21, 22)?**
7. **यीशु ने मनुष्यों की शिक्षा मानने वालों को कैसे गलत कहा (मत्ती 15:9, 13)?**
8. **कोई साज़्प्रदायिक कैसे हो सकता है? उदाहरण दें।**

साज़्प्रदायिकवाद की निंदा की गई

1. **फूट डालने वालों से कैसा व्यवहार होगा? ज़्यों (रोमियों 16:17, 18)?**
2. **पौलुस ने फूट को ज़्या कहा (गलतियों 5:19-21)?**
3. **कुरिन्थुस के लोग कितने भागों में बंटे हुए थे (1 कुरिन्थियों 1:11,13)? पौलुस ने उनकी इस स्थिति के बारे में ज़्या कहा (1 कुरिन्थियों 3:1-4)?**
4. **नये नियम में गुटबाज़ी को ज़्या कहा गया है?**
   हिन्दी बाइबल में इसके लिए यूनानी शब्द *hairesis* से लिया शब्द ''पंथ'' इस्तेमाल किया गया है और इसका इस्तेमाल नौ बार हुआ है। कहीं भी इसका इस्तेमाल अच्छे अर्थ में नहीं हुआ। ये आयतें पढ़ें: प्रेरितों 5:17; 15:5; 24:5, 14; 26:5; 28:22; 1 कुरिन्थियों 11:19; गलतियों 5:20; 2 पतरस 2:1.

क. हिन्दी में इसका अनुवाद ''पंथ,'' ''मत'' ''विधर्म'' किया गया है।

ख. पौलुस पर जब एक पंथ से सम्बन्धित होने का आरोप लगा तो उसने क्या कहा था (प्रेरितों 24:14)?

ग. अलग-अलग पंथों के लोगों ने प्रेरितों से कैसा व्यवहार किया (प्रेरितों 5:17, 18, 40)?